शास्त्री ब्रिज का अधिकारियों ने किया दौरा

▶ पुनर्निर्माण को लेकर निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के जीवनरेखा रेलवे ओवर ब्रिज को दोबारा बनाया जाएगा. इसके लिए आज शहर के तीन विभाग के अधिकारियों ने ब्रिज का दौरा किया. दौरे में पानी, ड्रेनेज लाइन और बिजली के खंबो की शिफ्टिंग करने पर चर्चा हुई. विशेष रूप से मेट्रो अधिकारियों द्वारा मेट्रो स्टेशन और अंडर ग्राउंड लाइन आने का मौका निरीक्षण किया गया.

शहर के 70 साल पुराने शास्त्री ब्रिज को फिर से रेल विभाग नया बनाएगा. इसके लिए आज रेल, मेट्रो और नगर निगम के अधिकारियों ने ब्रिज का प्राथमिक दौरा किया. रेलवे के अधीक्षण यंत्री निर्माण, रीजनल कमिश्नर, डिप्टी रीजनल कमिश्नर मेट्रो, नगर निगम अपर आयुक्त के साथ मौका मुआयना किया. इस दौरान रेलवे के अधीक्षण यंत्री ने निगम अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर से पानी, ड्रेनेज और बिजली के खंभों एक जानकारी ली. साथ मेट्रो अधिकारियों से मेट्रो स्टेशन और अंडर ग्राउंड लाइन को लेकर बातचीत की ओर नक्शे और निर्माण कार्य पर जानकारी ली. निर्माण को लेकर रेलवे अधिकारियों ने मौके पर वस्तुस्थिति जानी और यातायात को लेकर भी स्थानीय अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की.

अभी कुछ तय नहीं हुआ

रेलवे जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि अभी प्राथमिक तौर पर मौका निरीक्षण किया है. इसमें अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है. अधिकारी डीपीआर बनाएंगे और रेलवे से मंजूरी के बाद टेंडर और अन्य प्रक्रिया शुरू होगी.

सांसद के आग्रह पर नए ब्रिज की संभावनाएं तलाशीं

सांसद शंकर लालवानी ने अधिकारियों से दौरा करने के लिए कहा था और इसी क्रम में आज रेलवे एवं नगर निगम के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से शास्त्री ब्रिज का निरीक्षण किया और नए ब्रिज के निर्माण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की. सांसद लालवानी ने बताया कि लगभग दो माह पूर्व उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर शास्त्री ब्रिज को नए स्वरूप में बनाने का आग्रह किया था और रेलमंत्री ने अधिकारीयों को निर्देश दिए थे. उसी पहल का परिणाम है कि अब संबंधित विभागों ने तकनीकी सर्वे और व्यवहार्यता पर काम शुरू कर दिया है. प्रारंभिक चर्चा के अनुसार ब्रिज की लम्बाई, ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने पर भी चर्चा हुई. ब्रिज की अनुमानित लागत लगभग 110 करोड़ रुपये बताई जा रही है. सांसद लालवानी के अनुसार नया ब्रिज आधुनिक तकनीक से बनाया जाएगा, ताकि भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. सभी जनप्रतिनिधि, रेलवे और नगर निगम मिलकर आगे की कार्ययोजना को अंतिम रूप देंगे, ताकि शहरवासियों को सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिल सके।

ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का ठेका 40/60 के रेशो पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. एमपीआरडीसी ने इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का ठेका दे दिया है, लेकिन ठेका 40/ 60 के अनुपात में दिया है. सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार को सरकार 40 प्रतिशत ही भुगतान करेगी. शेष 60 प्रतिशत राशि सरकार 15 साल में सड़क के रखरखाव के आधार पर देगी.

एमपीआरडीसी ने इंदौर उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का ठेका लुधियाना की सीगल इंफ्रास्ट्रक्चर को 1089 करोड़ रुपए में दे दिया है. सड़क काम जल्द ही शुरू होने वाला है, क्योंकि जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है. बताया जा रहा है कि किसानों को करीब 6 सौ करोड़ रुपए का मुआवजा सरकार ने मंजूर कर दिया है. सड़क निर्माण के लिए सरकार ने निर्माता कंपनी सीगल इंफ्रास्ट्रक्चर को 40 और 60 के अनुपात में भुगतान की शर्त तय की है. उसी आधार पर लुधियाना की कंपनी का टेंडर मंजूर किया है. एमपीआरडीसी द्वारा इंदौर उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण अवधि में लुधियाना की कंपनी को सिर्फ 425 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा. शेष 664 करोड़ रुपए की राशि अगले 15 साल में दी जाएगी. इसमें 15 साल तक सड़क का रखरखाव शामिल है. सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद हर छह महीने में सरकार निर्माता कंपनी को किश्तों के अनुसार राशि का भुगतान करेगी. उक्त 15 साल के दौरान सड़क में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या रखरखाव नहीं किया जाता है तो उस स्थिति में सरकार न सिर्फ भुगतान रोकेगी, बल्कि टेंडर भी निरस्त करने की कारवाई कर सकती है.

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहायक होगा

ध्यान रहे कि शासन ने इंदौर से हातोद, फतियाबाद चिंतामण गणेश होते हुए उज्जैन तक नई सड़क प्रस्तावित की है. उक्त सड़क निर्माण एमपीआरडीसी द्वारा किया जाएगा. उक्त सड़क में करीब 285 हैक्टेयर जमीन की आवश्यकता है. यह सड़क 4 लेन और दो-दो लेन सर्विस रोड के साथ बनाई जाएगी. उक्त सड़क पर एक रेलवे ओवर ब्रिज फतियाबाद में बनेगा. ग्रीन फील्ड कॉरिडोर सड़क की लंबाई करीब 48 किलोमीटर है. यह सड़क बन जाने के बाद उज्जैन जाने के लिए नया रास्ता बनेगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सहायक होगा.

एमपीएफसी के दो दिवसीय ऋण वसूली शिविर 17-18 को

▶ प्रदेश के तीन शहरों में लगेंगे समाधान शिविर

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्य प्रदेश वित्त निगम द्वारा ऋण खातों के निराकरण एवं वसूली को लेकर 17 एवं 18 फरवरी समाधान शिविर लगाया जा रहा है. उक्त शिविर में वर्षों से लंबित लोन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा. शिविर दोपहर 12 से शाम 5.30 बजे तक लगेगा.

एमपीएफसी द्वारा इंदौर ,भोपाल और जबलपुर में वर्षों से लंबित लोन प्रकरणों को लेकर समाधान शिविर आयोजित किए गए हैं. मध्यप्रदेश वित्त निगम द्वारा सभी कर्जदारों से अपील की है कि वे उक्त दो दिवसीय शिविर का लाभ उठाते हुए अपने प्रकरणों का निराकरण कराए. शिविर में समस्त आरआरसी प्रकरणों का एक मुश्त निपटारा किया जाएगा. एमपीएफसी की प्रबंध संचालक वंदना वैद्य ने बताया कि समाधान शिविर इंदौर में गीता भवन चौराहा स्थित प्रधान कार्यालय फाइनेंस हाउस ए.बी. रोड पद लगेगा। साथ ही भोपाल में प्लेटिनम प्लाजा टी.टी. नगर बी-6 द्वितीय तल स्थित जोनल कार्यालय तथा जबलपुर में पचपेड़ी साउथ सिविल लाइन्स स्थित जोनल कार्यालय में लगाया जा रहा है.

शिविर में विकल्पों की जानकारी दी जाएगी

प्रबंध संचालक ने कहा कि निगम से ऋण लेने वाले सभी कर्जदार जो किसी कारणवश निर्धारित समय पर ऋण चुकाने में असफल रहे हैं, वे उक्त शिविर में अपने प्रकरण का समाधान कर सकते हैं . शिविर में ऋण चुकाने से संबंधित विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी जाएगी. साथ ही इच्छुक कर्जदार आवश्यक राशि जमा कर अपने ऋण खाते का निराकरण भी कर सकेंगे.

बेकरी एंड कन्फेक्शनरी सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन

इंदौर. शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर के गृह विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में 2 से 13 फरवरी तक 10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया. कोर्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. प्रशिक्षक श्रीमती अमृता शाह एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, सिम्पल एवं आइसिंग केक, पैकेजिंग एवं प्राइसिंग का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया. यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा.

एक नजर में

रेनेसां ग्लोबल ने तीसरी तिमाही में बढ़ोतरी दर्ज की

इंदौर . रेनेसां ग्लोबल लिमिटेड दुनिया में इंटीग्रेटेड ज्वेलरी डिजाइन करने और बनाने में विशेषज्ञ कंपनी है . कंपनी ने वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया है . वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 962 .42 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 76 .25% ज्यादा है . एबिटा 60 .71 करोड़ रुपए दर्ज किया गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में 49 .42% अधिक है, जबकि शुद्ध लाभ बढ़कर 33 .21 करोड़ रुपए हो गया, जो कंपनी के इतिहास में किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक पेट है . मौजूदा नतीजों पर अपनी राय जाहिर करते हुए, रेनेसां ग्लोबल लिमिटेड के चेयरमैन एवं ग्लोबल सीईओ सुमित शाह ने कहा रेनेसां ग्लोबल एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहाँ वह कम मुनाफे वाले बी2बी निर्यातक से अब एक मुख्य ग्राहक-केंद्रित और ब्रांड-आधारित लक्जरी प्लेटफॉर्म बन रहा है .

पर्पल फैब्रिक एंटरप्राइज एआई ऑन टैप के रूप में उपलब्ध

इंदौर . एआई-फर्स्ट, एंटरप्राइज-ग्रेड फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी में वैश्विक अग्रणी, इंटेलक्ट डिज़ाइन एरिना लिमिटेड ने घोषणा की कि पर्पल फैब्रिक अब 99,500 रुपए प्रति माह पर एंटरप्राइज एआई ऑन टैप के रूप में उपलब्ध है . यह 50 उपयोगकर्ताओं तक को पारंपरिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बोझ के बिना बिजनेस इम्पैक्ट एआई को तैनात और स्केल करने में सक्षम बनाता है . यह कदम विश्वसनीयता-प्रथम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को प्रमाणित, भरोसेमंद, गवर्नेंस-रेडी संस्थागत इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में स्थापित करता है . इंटेलक्ट डिज़ाइन एरिना के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर और पर्पल फैब्रिक के चीफ आर्किटेक्ट अरुण जैन ने कहा एआई क्षमता अब बाधा नहीं है ; विश्वसनीयता है .

वैलेंटाइन का उपहार जो देखभाल व सच्ची भावना दर्शाए

इंदौर . वैलेंटाइन डे अब सिर्फ बड़े दिखावे या एक दिन के जश्न तक सीमित नहीं रह गया है। आज गिफ्ट देना ज्यादा व्यक्तिगत, सोच-समझकर और रोज़मर्रा की परवाह से जुड़ा गया है . ऐसे में लोग ऐसे उपहार पसंद कर रहे हैं जो दिल से जुड़े हों और रोज़मर्रा के काम भी आएं . इसी बदलाव के साथ अब लोग चॉकलेट और फूलों से आगे बढ़कर नए और बेहतर विकल्प चुन रहे हैं . कैलिफोर्निया बादाम एक समझदारी भरा गिफ्ट विकल्प बनकर उभर रहे हैं- जो बेहतरीन स्वाद के साथ रोज़ की सेहत का भी ख्याल रखते हैं . ये आसानी से दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, . ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नईदिल्ली, ने कहा मैं अक्सर दिन की शुरुआत कैलिफोर्निया बादाम से करने की सलाह देती हूँ, क्योंकि इसमें प्रोटीन और आहार फाइबर अच्छी मात्रा में होते हैं .

जब कारण समझ में न आए, तब भी आईवीएफ मदद करता है

इंदौर . कई दंपतियों के लिए सबसे कठिन पल वह होता है, जब डॉक्टर कहते हैं- सब कुछ सामान्य दिख रहा है . लेकिन गर्भधारण फिर भी नहीं हो रहा होता . अस्पष्ट इंफर्टिलिटी सिर्फ़ मेडिकल रिपोर्ट पर लिखा एक शब्द नहीं होता . यह महीनों या वर्षों की कोशिशें होती हैं, सामान्य दिखने वाली जांच रिपोर्ट्स का ढेर होता है, और एक लगातार बनी रहने वाली उलझन होती है कि आखिर दिक्कत कहाँ है ? डॉ . पायल जयसवाल, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर कहती हैं कि यह समझना ज़रूरी है कि ' अस्पष्ट ' का मतलब यह नहीं कि कोई समस्या है ही नहीं . इसका अर्थ सिर्फ़ इतना है कि सामान्य जांचों में कारण दिखाई नहीं दे रहा . गर्भधारण की प्रक्रिया उतनी सरल नहीं है, जितनी अक्सर समझी जाती है।.इसमें कई चरण होते हैं, और हर चरण का सही समय पर और सही ढंग से होना ज़रूरी है . किसी भी चरण में हल्की-सी गड़बड़ी पूरी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है भले ही रिपोर्ट सामा न्य दिखें। यहीं पर आईवीएफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है .

बालू फोर्ज ने तीसरी तिमाही के परिणाम घोषित किए

इंदौर . बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही और चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों की घोषणा की है . कंपनी के वित्तीय नतीजों को लेकर बीएफआईएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जसपाल सिंह चंडोक ने कहा वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों के दौरान मांग में लगातार वृद्धि से कंपनी ने परिचालन से 843 .8 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जो सालाना आधार पर 29 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इस दौरान एबिटा सालाना आधार पर 36 .1 प्रतिशत की वृद्धि और 28 .4 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 239 .6 करोड़ रुपये रहा . यह स्थिर लागत संरचना और ऑपरेटिंग लीवरेज के फायदों को दिखाता है . वहीं, पहले नौ महीने में शुद्ध लाभ 193 .2 करोड़ रुपये रहा जो 22 .6 प्रतिशत के पैट मार्जिन को दर्शाता है .

संजय अग्रवाल की एयू बैंक के एमडी पद पर पुनर्नियुक्ति

इंदौर . एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयूएसएफबी) ने आज घोषणा की कि आरबीआई ने 12 फरवरी के अपने पत्र के माध्यम से संजय अग्रवाल को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तीन वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए पुनर्नियुक्त करने की मंजूरी दी है . यह नियुक्ति 19 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी . इससे पहले बैंक के निदेशक मंडल ने 17 अक्टूबर 2025 को तथा शेयरधारकों ने 26 दिसंबर 2025 को उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी थी, जो आरबीआई की स्वीकृति के अधीन थी . एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के चेयरमैन हारुन आर खान ने कहा हम संजय अग्रवाल की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी देने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया का स्वागत करते हैं . यह मंजूरी बैंक के सुशासन, नेतृत्व की स्थिरता और दीर्घकालिक दिशा की पुष्टि करती है .

निगम ने सांई कृपा कॉलोनी में अवैध निर्माण तोड़ा

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम ने आज सांई कृपा कॉलोनी में रहवासी प्लॉट पर नक्शे के विपरीत निर्माण करने पर रिमूवल की कार्रवाई की. मौके पर मकान मालिक ने फ्रंट एमओएस और रहवासी प्लॉट पर हॉस्टल बनाया जा रहा था. खास बात यह है कि एक मंजिल पूरी अवैध निर्माण कर ली गई.

नगर निगम की भवन अधिकारी टीना सिसौदिया और रिमूवल दस्ते ने आज बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने स्थित 285 सांई कृपा कॉलोनी में रिमूवल की कार्रवाई की. उक्त मकान उषा तलेजा का है, जिसमें आवासीय प्लॉट पर नक्शे के विपरीत हॉस्टल का निर्माण कर लिया गया. साथ ही दो मंजिल की जगह तीन मंजिल का निर्माण कर लिया, एक मंजिल और सामने का ओपन मार्जिनल स्पेस भी पूरा कवर कर लिया था. भवन मालिक ने साइड के कंपाउंडिंग राशि जमा करने की हामी भरी, तो साइड का निर्माण नहीं तोड़ा गया. नगर निगम के रिमूवल दस्ते आज आज उक्त 285 सांई कृपा कॉलोनी में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की. कारवाई के दौरान भवन इंस्पेक्टर सचिन ,प्रभारी बबलू कल्याण, अंकित बिरथरिया ने और निगम रिमूवल दस्ते के कर्मचारी मौजूद थे.

पुस्तक मेले में हुआ मुशायरा

इंदौर. गांधी हाल परिसर में शुक्रवार को मुशायरे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शायर मकसूद नश्तरी ने की.

मुशायरे में रशीद अहमद शेख़, अमित चितवन, डॉ. प्रेमा नन्द सरस्वती, सरफराज नूर, नवाब हनफ़ी, आतिश इन्दौरी, शरीफ़ कैफ़, शाकिर नक्शबदी, राखी जैन, निथि दीक्षित शर्मा, टीना साध, डॉ. किरण पांचल डॉ. शीतल देवयानी, आर डी माहौर आदि ने ग़ज़लें और अपनी नज़्में पेश की. आभार पुस्तक मेले के संयोजक चन्द्र भूषण ने व्यक्त किया. ग्वालियर के अमित चितवन ने- अब दिन तो दिन वो रात भी अलसाई दे गया, इक बार बार फिर फ़रेब वो हरजाई दे गया, सबका ही काम एक है ये सियासी दौर में, जो भी आया देश को महंगाई दे गया सुनाया. सरफराज़ नूर इंदौरी ने तूम्हें कहानियां क़िस्से नही सुनाऊंगा, पढुंगा शैयर लतीफे नहीं सुनाऊंगा, सुनाऊंगा में तुम्हें दर्द सारी दुनिया का, मेरी हयात के दुखड़े नही सुनाऊंगा सुनाया. मक़सूद नश्तरी इन्दौर ने ये दुआओं का है असर बाबा, मैं सभी में हूँ मोअतबर बाबा, मेरी आँखों में डालकर आँखें, हो गए लोग दीदावर बाब सुनाया.

माधुरी निगम की कृति सीप से बिखरे मोती का विमोचन

इन्दौर. साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय वामा साहित्य मंच के सौजन्य से एक और साहित्यिक कृति का लोकार्पण किया गया. मंच के तत्वावधान में उभरती हुई कवयित्री माधुरी निगम (मधुबन) के प्रथम काव्य संग्रह सीप से बिखरे मोती का विमोचन समारोह आयोजित हुआ. कार्यक्रम का प्रारंभ करूणा प्रजापति द्वारा प्रस्तुत सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वामा साहित्य मंच की अध्यक्षा ज्योति जैन ने इस कृति को भावनाओं के विभिन्न मोती बताया. लेखिका की पुत्री दीपा निगम ने परिवार की पाती पढ़ी और कृति को वर्षों की तपस्या तथा सपने के सच होने जैसा बताया. पुस्तक का संपादन मुकेश इंदौरी ने किया है. लेखिका ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कृति उनके मन के अनुभवों को समेटने का प्रथम प्रयास है. उनकी कविताएं संवेदनाओं का प्रतिबिम्ब और भावनाओं की यात्रा हैं. काव्य संग्रह पर विस्तृत चर्चा करते हुए वामा साहित्य मंच की संस्थापिका पदमा राजेन्द्र ने पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि संग्रह में 65 सकारात्मक और सहज कविताएं हैं, जो शब्दों की सीमा में नहीं बंधी हैं. मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार आदरणीय हरेराम वाजपेई ने कहा कि यह संग्रह कल्पनाओं का साकार रूप है. उन्होंने कहा, लेखन उम्र के बंधन में नहीं बंधता, यह किसी भी उम्र में किया जा सकता है. संचालन निरूपमा त्रिवेदी ने किया. कार्यक्रम में सह-सचिव डॉ. अंजना चक्रपाणि मंच पर उपस्थित रहीं.

दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी आज से

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जारी वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है. इस वर्ष के दौरान एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना/प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमिनार तथा जिला स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं इन्दौर में किया जाएगा. कार्यक्रम का उद्घाटन 14 फरवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे होगा.

एक नजर में ▶ पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

राधा, कृष्ण और मीरा का जीवन त्याग व समर्पण का शिखर

इंदौर. पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में राधा-कृष्ण और भक्त मीरा जी के जीवन में भक्ति, प्रेम, त्याग और समर्पण भाव विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में भक्ति परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों को समझाना तथा युवाओं को आध्यात्मिक विचारधारा से जोड़ना रहा.

कार्यक्रम में डॉ ऋषिना नातू ने राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम और मीरा जी की अटूट भक्ति को जीवन के आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राधा, कृष्ण और मीरा का जीवन केवल पौराणिक कथाएँ नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण का सर्वोच्च शिखर हैं. उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सच्चा प्रेम पाने की इच्छा में नहीं, बल्कि स्वयं को अर्पण कर देने में निहित है. उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी जो वेलेंटाइन दिवस मनाने की दौड़ में हैं, उन्हें भारतीय प्रेम को समझना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि मीरा बाई का जीवन अटूट भक्ति और दृढ़ विश्वास का सर्वोत्तम उदाहरण है. मीरा जी ने सामाजिक बंधनों, पारिवारिक विरोध और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने आराध्य श्रीकृष्ण के प्रति अटूट आस्था बनाए रखी. उनका जीवन यह दर्शाता है कि सच्ची भक्ति किसी बाहरी परिस्थिति पर निर्भर नहीं होती, बल्कि हृदय की गहराइयों से उत्पन्न होती है. अंत में उन्होंने यह कहा कि राधा-कृष्ण और मीरा बाई का जीवन भारतीय भक्ति परंपरा की अमूल्य धरोहर है।तथा समर्पण केवल शब्द नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मार्पण की अवस्था है. वर्तमान भौतिकवादी युग में, जहाँ संबंध अक्सर स्वार्थ और अपेक्षाओं से प्रभावित होते हैं, इन महान व्यक्तित्वों का जीवन हमें निस्वार्थ प्रेम, धैर्य, आस्था और नैतिक मूल्यों का संदेश देता है.

सच्चा प्रेम त्याग और विश्वास की नींव पर ही स्थिर रहता है

उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया वेलेंटाइन के गुलाबी रंगों और तोहफों के शोर में डूबी है, तब उन्होंने इस विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम- जो आज केवल एक डेट तक सिमट गया है, उसे ऋषिना नातू जी ने राधा की प्रतीक्षा, मीरा के वैराग्य और कृष्ण के त्याग से जोड़कर हमें एक नया नजरिया दिया . आखिर क्यों आज की युवा पीढ़ी को वेलेंटाइन से कहीं ज्यादा राधा-कृष्ण के समर्पण को समझने की जरूरत है . अक्सर हम राधा और मीरा के त्याग की बात करते हैं, लेकिन कृष्ण का त्याग भी अद्वितीय है, कृष्ण का व्यक्तित्व भी केवल एक प्रेमी के रूप में नहीं, बल्कि एक आदर्श मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है . उनका जीवन धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण के प्रति समर्पित रहा। इस प्रकार राधा-कृष्ण का प्रेम हमें यह शिक्षा देता है कि सच्चा प्रेम त्याग और विश्वास की नींव पर ही स्थिर रहता है।

खुश खबर खुश खबर खुश खबर

उज्जैन व्यापार मेला

आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील

आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट

इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करें, मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।

युग कार्स (मारुति शो-रूम)

नागझिरी देवास रोड, उज्जैन

मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200

मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील

नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508

तराना : तोतला मार्ग 9589090827

बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820

महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176

खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910

घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100

इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804